क्रमांक 2441-ज(I)-73/31997.--पूर्वी पंजाब मुख पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसमें ग्राज तक हरिवाणा सरकार द्वारा संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) फे अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरिवाणा के राज्यपाल श्री पहलाद राम, पुत्र श्री हरदेव राम, गांव कारोता, तहसील नारनील, जिला महेन्दगढ़, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 क्पये वाणिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वाणिक कीमत वाली युद्ध जामीर सनद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## ंदिनांक 3 प्रक्तूबर, 1973

कमांक 2587-ज(I) 73/32215.—-पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उस में आज तक हरियाणा सरकार द्वारा संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपें गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वाचिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के सामने दी फसल तथा राजि एवं सनद में दी गई शतीं के अनुसार सहवें प्रदान करते हैं:—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	्राणि .
						रूपये
1	भिवानी	श्री चन्दु राम, पुत	दुजंन पुर	हांसी	<b>रत्री</b> , 1966 से रबी,	100
		श्री हरजी राम			1970 तक	
			-		खरीफ, 1970 से	150
2	,,	श्री छोटू राम, पुत	वजीना	भिवानी	खरीफ, 1965से रबी,	100
	. •	श्री चेतन			1970 तक	
				:	खरीफ, 1970 से	150

## दिनांक 30 प्रक्तुवर, 1973

क्रमांक 2398-ज(cII)-73/32223.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसमें ग्राज तक हिरियाणा सरकार द्वारा संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रनुसार सींपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करने हुए हिरियाणा के राज्यपाल निर्मलिखिन ब्यक्तियों को वापिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी फमल तथा राहि एवं सनद में दी गई उटों के ग्रनुसार महर्प प्रदान करते हैं:—

भगंक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फ़सल/वर्ष जब से जागीर दी गई	राशि
A 100-1000-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-	<u> </u>				هام محمد خود هنده محمد المحمد	<b>६</b> पये
1	सोनीपत	श्री माई राम, पुन्न श्री छज्जू राम	रभडा	गोहःना	खरीफ़, 1965 से खी, 1970 तक	100
				•	खरीफ़, 1970 से	150
2	5 7	श्री जानी राम, पुत्र श्री नेकी राम	भात्रड	,,	खरीफ़, 1965 में रबी, 1970 नक	100
:				,	खरीफ़, 1970 मे	150
3	1,	श्रीमती फून कौर,	कांसदी	,,	खरीक, 1965 से	100
		विधवा श्री धासी राम			<b>रबी, 1970</b> तक खरीफ, 1970 मे	150

गुरचरण सिंह बिन्दरा, ग्रवर मनिव,